# ब्लैक डेथ

साइंस जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में शोधकर्त्ताओं ने दावा किया है कि ब्लैक डेथ की पहचान आधुनिक उत्तरी किर्गिस्तान में 1338-1339 के आसपास हुई थी। लगभग 7-8 वर्ष पहले इसने दुनिया के बड़े हिस्से को नुकसान पहुँचाया था।

## ब्लैक डेथ

- ब्लैक डेथ शब्द **बुबोनिक प्लेग** को संदर्भित करता है जो वर्ष 1346-53 में **पश्चिमी एशिया, उत्तरी अफ्रीका, मध्य पूर्व और यूरोप में फैला।**
- अधिकांश विद्वान इस बात से सहमत हैं कि ब्लैक डेथ, जिसने लाखों लोगों की जान ली थी, यर्सिनिया पेस्टिस जीवाणु के कारण हुई थी और **पिस्सू** द्वारा फैल गई थी जिसके **मेज़बान कृंतक (चूहा गिलहरी आदि कुतरने वाले जानवर) थे।**
- सूक्ष्मजीव येर्सिनिया पेस्टिस मानव आबादी में फैल गया, जिन्होंने इसे मानव पिस्सू के वेक्टर के माध्यम से या सीधे श्वसन प्रणाली के माध्यम से दूसरों को प्रेषित किया।
- महामारी के बारे में लिखने वाले **समकालीनों ने अक्सर बुबो (कठोर, सूजन वाले लिम्फ नोड्स) को विशिष्ट नैदानिक विशेषता** के रूप में वर्णित किया।
- 14वीं शताब्दी में जनसांख्यिकीय विनाश के कारण महामारी को **'ग्रेट डेथ'** के रूप में संदर्भित किया गया था।
- उस समय व्यापक ऐतिहासिक डेटा की कमी के कारण मरने वालों की सही संख्या जानना मुश्किल है।

## स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/black-death